मुफ्त भूकंप सुरक्षा परामर्श केन्द्र

FREE EARTHQUAKE SAFETY CLINIC

देश में पहली बार नई पहल

आपदामुक्त बिहार की ओर बढ़ते कदम

बिहारवासियों मे भूकंपरोधी निर्माण के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु अभियान

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

द्वितीय तल, पन्त भवन, बेली रोड, पटना

website-www.bsdma.org

Phone: 0612-2522032, 2522284, Fax: 0612-2532311

बिहार सरकार

बिहार में संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से भूकम्प जोन के अन्तर्गत आने वाले जिले

साइस्मिक जोन V
(सर्वाधिक क्षति जोखिम क्षेत्र)

सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, अररिया, मधेपुरा, किशनगंज एवं दरभंगा।

साइस्मिक जोन IV
(अधिक क्षति जोखिम क्षेत्र)

पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, पटना, समस्तीपुर, नालंदा, बेगूसराय, पूर्णिया, कटिहार, मुंगेर, भागलपुर, लखीसराय, जमुई बांका एवं खगड़िया।

साइस्मिक जोन III
(मध्यम क्षति जोखिम क्षेत्र)

बक्सर, भोजपुर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, जहानाबाद, नवादा, अरवल एवं गया।

पृष्ठभूमि

बिहार राज्य के अधिकतर जिले सिस्मिक जोन IV एवं V के अन्तर्गत आते हैः–

- बिहार राज्य के अधिकांश इलाके भीषण तीव्रतावाले एवं क्षति पैदा करनेवाले भूकम्पीय क्षेत्र है। जिसमें पटना के जोन IV में होने के कारण तथा सात या उससे अधिक तीव्रता के भूकम्प की स्थिति में सरकारी एवं निजी इमारतों के बड़े पैमाने पर क्षतिग्रस्त होने की संभावना है।
- पिछले भूकम्प के इतिहास के बाद इमारतों एवं अन्य संरचनाओं को हुए नुकसान के अध्ययन से बड़े पैमाने पर हुई क्षति के पीछे मकानों का भूकम्परोधी तरीको से न बना होना, इमारतों को लेकर नियम कानून की अनदेखी ओर कमजोर इमारतों को बनाया जाना है।
- बिहारवासियों में भूकम्परोधी मकान के निर्माण को लेकर जागरूकता पैदा करने एवं भविष्य में इन आपदाओं से सुरक्षित घरो के निर्माण के लिए प्रेरित करने के उदेश्य से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ''मुफ्त भूकम्प सुरक्षा परामर्श केन्द्र'' के साथ आपके समक्ष उपस्थित है।

उद्देश्य :–

- लोगों को अपना घर बनाने के समय भूकम्प से सुरक्षित निर्माण के लिए जागरूक करना।
- लोगों को भवनों के भूकम्परोधी डिजाइन के संबंध में मुफ्त जानकारी देना, साथ–ही–साथ बने हुए घरों की मरम्मती एवं रेट्रोफिटिंग से संबंधित जानकारी प्रदान करना।

हमेशा याद रखें:–

- आश्वस्त हो ले कि भवन बनाने के समय निर्धारित डिजाइन और तकनीकी अनुदेशो का पालन हो।
- भवनों के निर्माण के समय मजबूती का मूल्यांकन कर लें। अगर जरूरी हो तो रेट्रोफिट कर लें।

(प्रबलित ईंट चिनाई)

सुनिश्चित करो कि मकान का निर्माण करते समय सही संरचना और निर्माण पद्धति अपनायी जाए

(मुहानों से फैलाती हुई दरारें)
इमारतों की संरचनात्मक मजबूती का मूल्यांकन करो, यदि आवश्यक हो तो सुदृढ़ीकरण/रेट्रोफिटिंग करो

याद रखने के लिए तीन बाते

1. अपने मकान का निर्माण करते समय सुनिश्चित करें कि यह आपकी संरक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। यदि आप किसी मकान/फ्लैट में रह रहे हैं तो उसकी सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए कार्य कीजिए।
2. यदि आप किसी मकान/फ्लैट में रह रहे हैं तो उसकी सुरक्षा का उपाय करना चाहिए।
3. यदि आप रहने के लिए स्थान खोज रहे हैं तो सुरक्षित स्थान खोजिए।

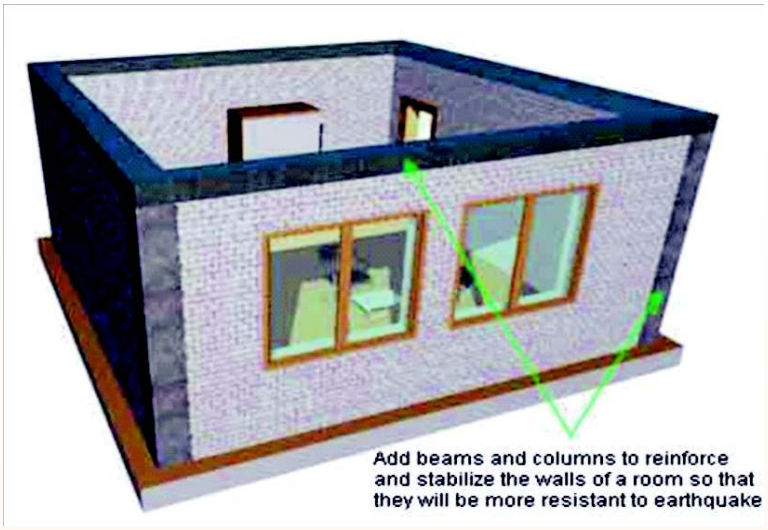

नई परिपाटी :–

- देश भर में पहली बार बिहार सरकार मुफ्त भूकम्प सुरक्षा परामर्श केन्द्र शुरू करने जा रही है। जहाँ लोगों को नये घर/पुराने घरों को मरम्मत कर भूकम्परोधी बनाने के संबंध में मुफ्त जानकारी दी जा रही है। इस प्रयास में सबसे महत्वपूर्ण राज्य के तकनीकी संस्थानों यथा NIT Patna/BIT Mesra, Patna को शामिल करना है।
- यह परामर्श केन्द्र पटना के गाँधी मैदान में बिहार दिवस समारोह, 2012 के अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पैवेलियन में स्थापित किया गया है । आगे चलकर इसे पूर्णकालिक परामर्श केन्द्र के रूप में विकसित करने की योजना है ।

परामर्श केन्द्र में प्रदान की जाने वाली सेवायें :–

- नये भूकम्परोधी भवनों के निर्माण और पुराने भवनों को भूकम्परोधी बनाने हेतु तकनीकी समूह द्वारा परामर्श ।
- भूकम्प सुरक्षा हेतु गैर संरचनात्मक एवं संरचनात्मक उपाय के संबंध मे जानकारी प्रदान करना।
- सुरक्षित भवन निर्माण डिजाइन का प्रदर्शन (ग्रामीण इलाकों के लिए बास निर्मित एवं शहरी इलाकों के लिए ईंट निर्मित)
- शेक टेबल, विडियो फिल्म आदि के द्वारा भवनों एवं आधारभूत संरचानाओं पर भूकम्प के प्रभावों का प्रदर्शन ।

परामर्श केन्द्र के संभावित परिणाम :–

- जन साधारण लोगों में भूकम्परोधी निर्माण तकनीक के बारे में समझ एवं जागरूकता पैदा करना और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में इन्हें अंगीकार करना।
- प्रत्येक व्यक्ति को भूकम्परोधी तकनीक स्वीकार करने हेतु प्रेरित करना एवं आपदा जोखिम को न्यूनीकृत करने का प्रयास करना।

भूकंप सुरक्षा सप्ताह

15 - 22 जनवरी 2012

"यह हर्ष का विषय है कि भूकंप जैसे गंभीर विषय पर जागरुकता लाने के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ''15 जनवरी 2012 से भूकंप सुरक्षा सप्ताह'' पूरे राज्य में मनाने जा रहा है। बिहार शताब्दी वर्ष में प्रारंभ होने वाले इस सप्ताह के माध्यम से बिहार वासियों को भूकंप से बचाव एवं सुरक्षा के बारे में जागरुक किया जायेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि हमारे राज्य के अधिकांश इलाके भूकंप के जोन IV एवं V में आते हैं एवं राज्य ने वर्ष 1934 एवं 1988 में इस आपदा की विभीषिका भी झेली है। सुरक्षा उपायों की जानकारी से ही भूकंप से जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

सुरक्षित बिहार हमारा सपना है और आपकी सुरक्षा के लिए सरकार सदैव तत्पर है। आइये हम सब लोग मिलकर विकासशील बिहार की नींव भूकंपरोधी बनाएं।"

(नीतीश कुमार)

(नीतीश कुमार)
मुख्यमंत्री, बिहार
सह-अध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

भूकंप की जानकारी

झुको, ढको और पकड़ो पाया

ऊंची इमारतों से दूर रहें

खिड़कियों से दूर रहें

बाहरजाने वाले रास्तों को बाधामुक्त रखें

वृद्ध, बच्चों एवं विकलांगों की सहायता करें

'पाँच को आँच नहीं''

जीवन है अनमोल, बचा लो, समझो इसका मोल,
बाद में केवल पछताओगे, किया जो टाल-मटोल।
भूकंप के खतरे से तुमको नहीं आएगी आँच,
सदा याद जो रखोगे, बात जरूरी पाँच॥
पहली बात है बहुत जरूरी, यदि तुमको हो नहीं पता,
बच सकते हो इससे क्योंकि यह जोखिम है, नहीं आपदा।
घर, दुकान, ऑफिस बनवाना, भूकंपरोधी तकनीकों से,
सदा सुरक्षित हो जाओगे, बच सकते हो तकलीफों से॥
दूजी बात भी बड़े काम की, कर लो संसाधन चिन्हित,
कर उपयोग बचोगे हरदम, नहीं रहोगे चिंतित।
सही सूचना, फोन के नंबर, रखो अपने साथ,
मदद बाहरी आने तक, अपना करो बचाव॥
बिन घबराहट, करो सुरक्षित, स्वयं और परिवार,
जब आये भूकंप का झटका, पहली-पहली बार।
समय देख फिर बाहर आना, रख परिवार को साथ,
बहुत जरूरी, सभी समझ लो, यही तीसरी बात॥
सही योजना मदद करेगी, कभी जो भूकंप आये,
करो पूर्व तैयारी अपनी, जानो सभी उपाय।
चाहे घर हो या हो दफ्तर, अस्पताल हो या स्कूल,
आपदा प्रबंध योजना रखना, चौथी बात ना जाना भूल॥
शिथिल ना पड़ना, ना घबराना, संयम से तुम लेना काम,
तभी सुरक्षित हो सकते हो, सुखद रहे परिणाम।
अफ़वाहों पर ध्यान ना देना, ना ही खुद फैलाना,
बात पाँचवीं ध्यान में रखकर, जीवन सुखद बनाना॥
इन पाँचों बातों पर मिलकर करना सभी अमल।
करो सुरक्षित अपना आज करो सुरक्षित कल॥

– अनुज तिवारी
GFDR

प्रत्येक ज़ोन/क्षेत्र में भूकंप की तीव्रताएं

ज़ोन V

यह देश में अधिकतम जोखिम का ज़ोन है तथा बड़े भूकंपों की संभावना रखता है। ऐसे भूकंप जो पूरा हड़कंप मचा सकते हैं तथा जीवन एवं संपत्ति को भारी क्षति पहुंचा सकते हैं। विशेष रूप से डिजाइन की गयी संरचनाओं तक में उल्लेखनीय क्षति हो सकती है। इमारतों में भारी क्षति जो आंशिक रूप से या पूरी तरह ढह सकती हैं। रेल पटरियां मुड़ जाती हैं और सड़कों को नुकसान पहुंचता है, जमीन में अनेक सेंटीमीटर चौड़ी दरारें पड़ जाती हैं, भूमिगत पाइपें टूट जाती हैं, अनेक जगह भूस्खलन होता है, चट्टानें गिरती हैं तथा कीचड़ बहता है, पानी में विशाल लहरें पैदा होती हैं। जहां इनकी तीव्रता अधिक हो जाती है, वहां भूपरिदृश्य में बदलाव के साथ पूरा विनाश हो सकता है जिससे नदियों का मार्ग तक बदल सकता है।

(तीव्रता : IX और उससे अधिक)

ज़ोन IV

यह जोन प्रबल भूकंप की संभावना रखता है जिससे हर जगह हड़कंप मच जाता है, भारी फर्नीचर इधर-उधर हो जाता है। ऐसे भूकंपों से अच्छे डिज़ाइन/निर्माण वाली संरचनाओं/इमारतों में मध्यम दर्जे की क्षति हो सकती है, जबकि खराब निर्माण वाली संरचनाओं को भारी क्षति हो सकती है। इसके अन्य प्रभावों में खड़ी ढ़ालों पर भूस्खलन, जमीन में कुछ सेंटीमीटर चौड़ी दरारें पड़ना तथा झीलों के पानी का गंदला होना शामिल है।

(तीव्रता : VIII)

ज़ोन III

यह ज़ोन में अधिक तीव्रता वाले भूकंप महसूस किए जा सकते हैं। ऐसे भूकंप जो हर किसी को डरा देते हैं, लोगों के लिए खड़ा होना तक कठिन हो जाता है। वाहनों में सफर कर रहे लोग भी ऐसे भूकंपों को महसूस कर सकते हैं। अच्छे डिज़ाइन और निर्माण वाली संरचनाओं/इमारतों में हल्की क्षति होती है, जबकि खराब डिज़ाइन/निर्माण वाली संरचनाओं/इमारतों में भारी क्षति होती है। (तीव्रता : VII)

जानकारी ही सावधानी

आपातकालीन किट तैयार रखें

भारी वस्तुओं को सुरक्षित तरीके से रखें।

निकास के लिए नक शा बनाकर रखें

निकास के लिए लिफ्ट का प्रयोग न करें

बिजली की आपूर्ति बंद कर दें

चित्र सौजन्य : SEEDS India & BMPTC

संदेश

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा भूकंप से सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को आम लोगों तक पहुंचाने हेतु जनवरी 2012 के 15 तारीख से पूरे राज्य में ''भूकंप सुरक्षा सप्ताह'' मनाया जा रहा है। भूकंप से बचाव की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने हेतु प्राधिकरण के इस प्रयास को आपदा प्रबंधन विभाग का पूर्ण सहयोग प्राप्त है। सुरक्षा की जानकारी ही बचाव का पहला कदम है। आशा करती हूं कि प्राधिकरण अपने इस प्रयास में सफल होगा।

(रेणु कुमारी कुशवाहा)
मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार

"घर सुरक्षित, आप सुरक्षित"

घर या फ्लैट खरीदते समय, पूछिये कि

- वह जगह कौन से भूकंपीय जोन में है
- क्या वहां 'Soil testing' किया गया है ?
- क्या घर/फ्लैट भूकंप से सुरक्षित है ?
- क्या Building/मकान BIS Codes के अनुसार बना है ?
- क्या बनाते वक्त वहां किसी Structural Engineer से सलाह ली गयी ?

संदेश

भूकंप एक गंभीर आपदा है। इससे बचाव एवं जानमाल के कम नुकसान हेतु इस विषय की जानकारी होना नितांत आवश्यक है। माननीय मुख्यमंत्री बिहार सह-अध्यक्ष बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा निर्देश में प्राधिकरण द्वारा पूरे राज्य में ''भूकंप सुरक्षा सप्ताह'' प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी से मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। भूकंप जैसी विभीषिका से भारत समेत कई देश पीड़ित है। बचाव ही सुरक्षा है को ध्यान में रखते हुए बिहार वासियों को जागरुक करने का यह हमारा राज्यव्यापी प्रयास है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है।

(अनिल कुमार सिन्हा)
उपाध्यक्ष
बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

भूकम्प से बचाव के उपाय

क्या करें

- घरेलू समान जैसे अलमारी, बुक केश, आइना आदि को दीवारों से चेन से जोड़ कर रखें, जिससे भूकम्प के दौरान ये गिरे नहीं।
- भवन निर्माण प्रशिक्षित अभियंता की सलाह से करायें।
- आश्वस्त हों कि आपका मकान सुरक्षित है, यदि नहीं तो दक्ष अभियंता के सुझावों से रेट्रोफिटिंग द्वारा उसे भूकम्प रोधी बनाए।
- भूकम्प आने से पहले कोई चेतावनी नहीं देता इसलिए बचाव के सुझाव पर अमल करें।
- इन वस्तुओं को हमेशा आसानी से मिलने वाली जगह पर रखें-पानी की बोतल, टॉर्च, बैटरी से चलने वाला रेडियो, सूखा भोज्य पदार्थ रोजमर्रा की दवाईयां आदि।
- भूकम्प के दौरान मजबूत चौकी या पलंग के नीचे, दरवाजे के बीचों बीच या कोने में खड़े हों।
- भूकम्प के दौरान अगर आप किसी प्रेक्षागृह, छविग्रह या सभागार में हो तो अन्दर ही रूकें, दोनों हाथों से सिर को ढक लें तथा भूमि कंपन शांत होने पर कतारबद्ध हो कर बाहर निकलें।
- भूकम्प के दौरान अगर आप घर से बाहर हो या वाहन चला रहे हो तो वाहन सड़क के किनारे रोक दें तथा विज्ञापन होर्डिंग, खंभा आदि के नीचे खड़े न हों।

क्या न करें

- घबराहट में इधर-उधर न भागे।
- भूकम्प के दौरान दरवाजे के रास्ते में खड़े न हों।
- खाना पकाने की गैस तथा बिजली से चलने वाले सभी उपकरणों का प्रयोग न करें।
- टूट कर गिरने वाली दीवारों, बिजली की तारों, मलवों, टुकड़ों तथा पेड़ों के पास न जाए।
- क्षतिग्रस्त मकानों में प्रवेश न करें और न ही रहें।
- अगर आप गगनचुंबी इमारत में हों तो लिफ्ट का प्रयोग न करें।
- भूकम्प रूक जाने के तुरंत बाद, माचीस, मोमबत्ती तथा लालटेन न जलाए।
- संचार प्रणाली, आपदा प्रबंधन विभाग, अग्निशमन सेवा तथा पुलिस से सही सूचना प्राप्त करें किसी गलत अफवाह पर ध्यान न दें।

EARTHQUAKE SAFETY WEEK ACTIVITIES

State Level Activities

17th January'2012
2nd Meeting of Technical Committee for establishing Seismological Observatories Network in State at Conference Hall, BSDMA, Patna

18th January'2012
Workshop on 'Hospital Safety, Preparedness & Mass Casualty Management' at Atditorium, State Institute of Healty Family Welfare (SIHFW), Seikhpura, Patna

20th January'2012
Workshop on 'Earthquake Disaster Mitigation in Bihar - The Road Ahead' at Conference Hall, Hotel Patliputra Ashok, Patna.

District Level Activities

District Disaster Management Authority will organise & conduct

At School Level: 'DRR-Run', Debate, Essay-slogan, Writing, Poster making, Disaster awareness Quizs, Mock drill & Preparation of School Disaster Management Plan

At Panchayat, Thana Level: Debate/talks to raise public awareness along with 'Bihar Rajya Nagrik Parishad'

Safety measures to be published at Railway Stations, Panchayat Bhawan, Hospital, Banks, Post Offices, Civil Court, Bus Stand, Shopping Complex, Hatt-Bazar, Cinema Hall, Nagar Nigam etc.

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY (Govt. of Bihar)

बिहार सरकार

www.bsdma.org

आपदा नहीं हो भारी यदि पूरी हो तैयारी॥

Patna Offset Press, Patna